माँ रख ले लाज गरीब दी

माँ रख ले लाज गरीब दी रख ले लाज गरीब दी,
तू लेखा दी लेख लिखाई मेरी बदल दे रेख नसीब दी,
रख ले लाज गरीब दी.....

अधनिया तो भी अधना है मैं नीविया तो भी निवा,
तू ही दस सिर ऊंचा करके किवे जग ते जीवा,
ऊंचे सिर नु हों सलामा करे इज़्ज़त जग उस जीव दी,

जेहड़े गलियां दे कख चुकदे माँ तू लखा वादे किते,
नेत्र हीं जो द्वारे आये तू अखा वाले किते,
लूले लंगड़े पाउंदे भंगड़े दर गूंगे करण तहजीब भी,
रख ले लाज गरीब दी

जिस ते तेरी किरपा होवे राज करे ओह जग ते,
उस दे परदे तू ही कजे केसर लावे पग ते,
उस पग ते हाथ तेरा रेह्न्दा नहियो जन्दी बेश रकीब दी,
रख ले लाज गरीब दी

गुरु नानक दियां अखा विच नूर तेरा मैं दिखया,
नानक नाम ध्या के वेहड़ा रीजा किता मीठा,
मक्के जा पावया मक्का सकीय शोभा लिखी हब्बीब दी,
रख ले लाज गरीब दी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8833/title/maa-rakh-le-laaj-gareeb-di

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |